सालासर हनुमान जी | by Anjani Sarawgi

सालासर हनुमान जी म्हारा संकट आज मिटा दो जी
म्हें भी थारी शरण में आया बेडा पार लगा दो जी

राम दूत थे राम भक्त थे राम नाम मतवाला हो
शरणागत की रक्षा करता लाल लंगोटे वाला हो
म्हें भी थारा दास हां बाबा म्हाने ना बिसारो जी
म्हें भी थारी शरण में आया बेडा पार लगा दो जी

ईष्ट देव थे म्हारा बाबा सालासर हनुमान जी
थारो नाम ही लेकर शुरू करता मैं हर काम जी
काम कोई ना रुक पाता जब लेता थारो नाम जी
म्हें भी थारी शरण में आया बेडा पार लगा दो जी

गांव शहर से पैदल चलकर भक्त द्वार पे आवे जी
मन इच्छा फल द्वार से पाते खाली कोई ना जावे जी
अंजनी की भी आस बाबा पूरी थे तो कर दो जी
म्हें भी थारी शरण में आया बेडा पार लगा दो जी

भक्त दुखी थे देख ना पाता कलयुग के अवतार जी
भक्त बुलावे दौड़ा आवो देखो ना दिन रात जी
दिन दुखी दरवाजे आया सुनलो थे पुकार जी
मे भी थारी शरण में आया बेड़ा पार लगा दो जी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b8%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%9c%e0%a5%80-by-anjani-sarawgi/